

A-0192

Total Pages : 3

Roll No.

MASL-608

M.A. Sanskrit (MASL)

(सिद्धान्त कौमुदी कारक एवं समास भाग-02)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs.

Max. Marks : 70

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। **परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।**

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

2×19=38

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. 'लक्षणेत्थं भूताख्यान भागवीप्सासु प्रतिपर्यनवः' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।
2. निम्नलिखित कारिका की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए—
 प्राप्त्युपायोऽनुकारश्च तस्य वेदो महर्षिभिः।
 एकोऽप्यनेकवर्त्मव समाम्नातः पृथक् पृथक् ॥
 भेदानां बहुमार्गत्वं कर्मव्येकत्र चाङ्गता।
 शब्दानां यतशक्तित्वं तस्य शाखासु दृश्यते ॥
3. 'वाक्यपदीयम्' के अनुसार ब्रह्म के स्वरूप का विवेचन कीजिए।
4. अधोलिखित सूत्र की विस्तृत व्याख्या कीजिए—
 अव्ययं विभक्ति समीपसमृद्धिव्यृद्धयर्थाभावात्ययासंप्रतिशब्द प्रदुर्भाव
 पश्चाद्यथानुपूर्व्यं यौगपद्यसादृश्यसंपत्तिसाकल्यान्तवचनेषु।
5. निम्नलिखित की सूत्रनिर्देश पूर्वक सिद्धि कीजिए—
 (क) कृष्णाश्रितः
 (ख) हरित्रातः
 (ग) कण्ठेवालः

खण्ड-ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

4×8=32

नोट :— खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. आचार्य भर्तृहरि का परिचय देते हुए 'वाक्यपदीयम्' का सार प्रस्तुत कीजिए।
2. 'ब्रह्मकाण्ड' के आधार पर वाणी के भेदों पर प्रकाश डालिए।
3. 'वाक्यपदीयम्' के अनुसार ध्वनि की अभिव्यक्ति में प्रस्तुत तीन मतों का उल्लेख कीजिए।
4. 'कर्तुरीप्सिततमंकर्म' को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
5. 'सर्वनाम्नस्तृतीया च' सूत्र को समझाइए।
6. 'अर्धर्चाः पुंसि च' सूत्र की व्याख्या कीजिए।
7. 'दीर्घसक्थः' की सिद्धि कीजिए।
8. 'वाक्यपदीयम्' के अनुसार प्रमाणों का उल्लेख कीजिए।
